नईदुनिया





# भाई दूज के दिन फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में भाई दूज के दिन सोने के भाव में कमजोरी नजर आ रही है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,960 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह चमकीली धातु भी भाव पर ही कारोबार कर रही है।

कीमत में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,30,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,04,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,42,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,44,120 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

## न्यूज ब्रीफ

### ट्रायम्फ की नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 मोटरसाइकिल प्रदर्शित



**नई दिल्ली।** ट्रायम्फ ने ईआईसीएमए 2026 में अपनी नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 मोटरसाइकिल प्रदर्शित की। इस मोटरसाइकिल की प्रदर्शन क्षमता और इंजन की प्रतिक्रिया बेहतर होने की उम्मीद है। इस माडल में 798 सीसी का नया तीन-सिलेंडर इंजन दिया जाएगा। कंपनी ने इस इंजन को अपने मोटो2 रेसिंग कार्यक्रम के अनुभव के आधार पर विकसित किया है। स्ट्रीट ट्रिपल श्रृंखला अपनी स्पोर्टी बनावट और तेज रफ्तार के लिए जानी जाती है। नया माडल इसी पहचान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। नई स्ट्रीट ट्रिपल 798 में इंजन के अलावा फ्रेम में भी बदलाव किए गए हैं। कंपनी ने नया फ्रेम विकसित किया है, जिसका उद्देश्य मोटरसाइकिल की मजबूती और हैंडलिंग को बेहतर बनाना है। इसके साथ डबल-साइडेड स्विंगआर्म दिया गया है। बाइक में अंडरबेली एग्जास्ट भी मिलता है, जो इसके डिजाइन को आधुनिक और स्पोर्टी रूप देता है। इन बदलावों से मोटरसाइकिल के संतुलन और नियंत्रण में सुधार की उम्मीद है। 798 सीसी का तीन-सिलेंडर इंजन इस माडल की सबसे अहम विशेषता है। हालांकि, कंपनी ने अभी इसकी अधिकतम पावर, टार्क और अन्य तकनीकी आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके पूरे स्पेसिफिकेशन और फीचर्स की जानकारी 17 नवंबर को साझा किए जाने की बात कही गई है।

### दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में गिरावट, भारत में नहीं आया बदलाव



**मुम्बई।** अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जमकर गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड 90 डालर प्रति बैरल के बेहद करीब आ गया है, जिससे दुनिया भर में पेट्रोल की औसत कीमतें 150 रुपये प्रति लीटर से नीचे आ गई हैं। वहीं इसके विपरीत डीजल की कीमतों में बढ़त आई है। दूसरी ओर भारत की बात करें तो कीमतों में बदलाव नहीं आया है। आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया में पेट्रोल की औसत कीमत जहां 150 रुपये प्रति लीटर से नीचे आ गई है, वहीं डीजल की औसत कीमत 158.73 रुपये से बढ़कर 159.05 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके मुकाबले, भारत में पेट्रोल का औसत रेट लगभग 108 रुपये प्रति लीटर और डीजल का 98.10 रुपये प्रति लीटर है। दुनिया भर के विभिन्न देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी अंतर देखने को मिलता है। वेनेजुएला में एक लीटर डीजल लगभग 40 पैसे और पेट्रोल 3.31 रुपये में उपलब्ध है। लीबिया में 2.21 रुपये प्रति लीटर के साथ दुनिया का सबसे सस्ता पेट्रोल मिलता है। वहीं, हांगकांग में 419.25 रुपये प्रति लीटर के साथ दुनिया का सबसे महंगा पेट्रोल बिकता है, जबकि डीजल 458 रुपये प्रति लीटर है।

### विदा की यूबीएक्स इलेक्ट्रिक बाइक जल्द होगी पेश



**नई दिल्ली।** हीरो मोटोकार्प की इलेक्ट्रिक वाहन श्रृंखला विदा ने यूबीएक्स नाम से नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल अवधारणा प्रदर्शित की। विदा ने इसे नियो-नेकेड डिजाइन में तैयार किया है। इसका लुक आधुनिक और आक्रामक रखा गया है, जिससे यह पारंपरिक इलेक्ट्रिक स्कूटरों से अलग नजर आती है। कंपनी के लिए यह इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में मोटरसाइकिल श्रेणी की ओर बढ़ने का संकेत है। यूबीएक्स कान्सेप्ट में चौड़ा हैंडलबार दिया गया है। इसके साथ हैंडगार्ड और टीएफटी स्क्रीन भी दिखाई गई है। ये डिजाइन तत्व मोटरसाइकिल को स्पोर्टी और आधुनिक रूप देते हैं। चौड़े हैंडलबार से राइडर को बैठने और बाइक नियंत्रित करने में सुविधा मिलने की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि, यह अभी एक कान्सेप्ट माडल है और इसके उत्पादन वाले संस्करण में बदलाव हो सकते हैं। विदा ने यूबीएक्स के साथ अपनी अन्य इलेक्ट्रिक अवधारणाएं डर्ट.ई एमएक्स7 और प्रोजेक्ट वीएक्सजेड भी प्रदर्शित कीं। इन माडलों के जरिए कंपनी ने संकेत दिया है कि वह इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के अलग-अलग वर्गों में विस्तार करना चाहती है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि हीरो मोटोकार्प इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार को केवल स्कूटर तक सीमित नहीं रखना चाहती। यूबीएक्स की बैटरी क्षमता, मोटर की ताकत, अधिकतम रफ्तार, रेंज और कीमत की जानकारी अभी जारी नहीं की गई है। जानकारों के अनुसार, विदा की पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल वर्ष 2027 में बाजार में आ सकती है।

# बैंकों के लिए खेती-बाड़ी के लिए दिए ऋण अब बड़ी चुनौती बनते जा रहे

**किसानों के कर्ज ने बढ़ाई चिंता, कृषि ऋणों का ऊंचा हुआ एनपीए अनुपात**



नई दिल्ली

भारतीय बैंकों के लिए खेती-बाड़ी के लिए दिए गए ऋण अब एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। बैंकों के लिए संपत्ति की गुणवत्ता के मामले में कृषि ऋण एक मुख्य चिंता का विषय बनकर उभर रहा है। जब बैंक किसानों को कृषि ऋण देते हैं, तो वह पैसा बैंकों के लिए एक परिसंपत्ति होता है, क्योंकि बैंकों को उम्मीद होती है कि उन्हें अपना दिया गया पैसा ब्याज के साथ वापस मिलेगा और उनकी अच्छी कमाई होगी। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि कृषि क्षेत्र में गैर-निष्पादित आस्तियों का अनुपात 5.1फीसदी है, जो औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों के 1.5फीसदी अनुपात की तुलना में काफी ज्यादा है।

बैंकों द्वारा खेती के लिए दिए गए हर 100 रुपए के ऋण में से करीब 5 रुपए डूबने की कगार पर हैं। इसके मुकाबले, फैक्ट्रियों और बिजनेस को दिए गए हर 100 रुपए में से केवल डेढ़ रुपया ही फंसा हुआ है। यह स्पष्ट संकेत है कि दूसरे क्षेत्रों के मुकाबले खेती के लिए दिया गया पैसा बैंकों को बहुत कम वापस मिल रहा है, जिससे उनकी वित्तीय सेहत पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।कृषि ऋणों के लगातार चुनौती बने रहने के कई कारण हैं। साल 2024 से 2026 के बीच देश के कई हिस्सों में कभी भयंकर गर्मी तो कभी बेमौसम भारी बारिश के कारण फसलें बुरी तरह प्रभावित हुईं और खराब हो गईं।

रिपोर्ट के मुताबिक प्राकृतिक आपदाओं ने किसानों की आय पर गहरा असर डाला, जिससे उनके लिए ऋण चुकाना मुश्किल हो गया। साथ ही अलग-अलग राज्यों में चुनावों के दौरान कर्ज माफी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा, जिसने किसानों के मन में ऋण चुकाने की इच्छा को कमजोर किया है। इन सबका नतीजा यह हुआ कि कृषि ऋणों का संकट बढ़ता गया और यह 5.1फीसदी के ऊंचे स्तर पर टिक गया। वहीं, इसके मुकाबले इन्हीं दो सालों में कंपनियों और बिजनेस सेक्टर की कमाई अच्छी रही, जिसके चलते उन्होंने बैंकों से लिया गया पैसा समय पर लौटा दिया। यही वजह है कि उनका एनपीए घटकर महज 1.5फीसदी पर आ गया, जिसे बैंकिंग इतिहास में इन क्षेत्रों का सबसे सुरक्षित और बेहतरीन दौर माना जा रहा है।

यह स्थिति इसलिए एक बड़ी चिंता का विषय है क्योंकि अगर यही सिलसिला बना रहा, तो आगे आने वाले समय में बैंक किसानों को पैसा देने में हिचकिचाएंगे। इससे छोटे किसान वापस से गांव के स्थानीय साहूकारों का रुख करेंगे, जो बहुत ऊंची ब्याज दरें वसूलते हैं, जिससे किसान कर्ज के जाल में और भी फंसते जाएंगे। इसके अलावा, बैंकों को होने वाले इस नुकसान की भरपाई वे दूसरे तरीकों से कर सकते हैं, जैसे कि आम जनता के लिए होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें बढ़ा देना या फिक्स्ड डिपाजिट पर मिलने वाला ब्याज घटा देना यानी बैंकों को कृषि ऋणों से होने वाले नुकसान से आम आदमी भी अछूता नहीं रहेगा।

### रायल एनफील्ड हिमालयन 750 के जल्द भारत आने की उम्मीद



**नई दिल्ली।** रायल एनफील्ड की नई हिमालयन 750 बाइक ईआईसीएमए 2026 में प्रमुख आकर्षणों में शामिल रही। इससे इसके वैश्विक बाजार में आने की तैयारी स्पष्ट हो गई है। कंपनी ने इस मोटरसाइकिल के तकनीकी आंकड़े जारी करने के साथ यूरोप में इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी है। नई हिमालयन 750 को कंपनी की एडवेंचर मोटरसाइकिल श्रृंखला में एक बड़े इंजन वाले माडल के रूप में पेश किया जा रहा है। इसमें 743 सीसी का एयर-आयल कूल्ड पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है। यह इंजन 55 हार्सपावर की अधिकतम ताकत और 63 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। कंपनी ने इसे लंबी दूरी की यात्रा और कठिन रास्तों पर इस्तेमाल के लिए तैयार किया है। मोटरसाइकिल की सीट की ऊंचाई 815 मिलीमीटर रखी गई है, जबकि इसका ग्राउंड क्लीयरेंस 205 मिलीमीटर है। इसका कुल वजन 224 किलोग्राम बताया गया है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि इसे एडवेंचर टूरिंग की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। हिमालयन 750 में आधुनिक इलेक्ट्रानिक सुविधाएं भी दी गई हैं। इसमें छह-एक्सिस आईएमयू, कार्नरिंग एबीएस और लीन-सेंसिटिव ट्रैक्शन कंट्रोल शामिल हैं। ये तकनीकें बाइक के झुकाव और राइडिंग परिस्थितियों के अनुसार सुरक्षा प्रणालियों को काम करने में मदद करती हैं। इसके अलावा, इसमें चार इंच का टीएफटी डिस्प्ले दिया गया है, जिस पर राइडर को जरूरी जानकारियां मिलेंगी।

# महंगाई का एक और झटका: मदर डेयरी ने दूध के दाम चार रुपये तक बढ़ाए, कब से लागू होंगी नई कीमतें




नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में दूध की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई है। मदर डेयरी ने दूध की विभिन्न श्रेणियों के दाम दो से चार रुपये प्रति लीटर तक बढ़ा दिए हैं। नई कीमतें गुरुवार, 12 नवंबर से लागू होंगी। इससे आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, दूध खरीदने की लागत बढ़ने के कारण मदर डेयरी ने कीमतों में संशोधन किया है। कंपनी ने इससे पहले 14 मई 2026 को दूध के दाम बढ़ाए थे। उससे पहले अप्रैल 2025 में कीमतों में बदलाव किया गया था। हालांकि, मदर डेयरी के प्रवक्ता ने कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

**फुल क्रीम दूध चार रुपये महंगा** - नई दरों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध अब 72 रुपये के बजाय 76 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। वहीं, पैकेट वाले टोंड दूध की कीमत 60 रुपये से बढ़ाकर 62 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। डबल टोंड दूध की कीमत भी दो रुपये बढ़ाई गई है। यह अब 54 रुपये के बजाय 56 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। गाय के दूध की कीमत 62 रुपये से बढ़कर 65 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा खुले वितरण वाले टोंड दूध की कीमत 58 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

**किसानों से दूध खरीदना हुआ महंगा** - सूत्रों ने बताया कि किसानों से दूध खरीदने की कीमत बढ़ गई है। इसके चलते कंपनी ने बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला किया है। मदर डेयरी दूध की बिक्री से मिलने वाली कुल राशि का करीब 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा किसानों को देती है।

दिल्ली-एनसीआर में कंपनी रोजाना लगभग 35 लाख लीटर दूध बेचती है। इसकी बिक्री अपने आउटलेट, सामान्य खुदरा दुकानों और ई-कामर्स प्लेटफार्म के जरिए होती है। कुल मिलाकर कंपनी की दैनिक दूध बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है।

**घरेलू बजट और खाद्य महंगाई पर पड़ सकता है असर** - महज छह महीने में दूध की कीमतों में दूसरी बार बढ़ोतरी होने से घरेलू बजट प्रभावित हो सकता है। दूध रोजमर्रा की जरूरत का सामान है। ऐसे में इसकी कीमत बढ़ने से उपभोक्ताओं का मासिक खर्च बढ़ सकता है। इससे खाद्य महंगाई पर भी दबाव पड़ने की आशंका है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ के मुताबिक, सितंबर में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 7.74 प्रतिशत हो गई थी।

**इटालजेट कर रही स्कूटर श्रृंखला के कई माडल उतारने की तैयारी**



**नई दिल्ली।** भारतीय बाजार में इटालजेट कंपनी ने अपनी ड्रैगस्टर स्कूटर श्रृंखला के कई माडल उतारने की तैयारी कर रही है। इटली की दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी इटालजेट दिसंबर के पहले सप्ताह में आयोजित होने वाले इंडिया बाइक वीक के दौरान मोटोहाउस इंडिया के माध्यम से भारतीय बाजार में अपनी शुरुआत कर सकती है। कंपनी अपने अलग और स्पोर्टी डिजाइन वाले स्कूटरों के लिए जानी जाती है। ऐसे में इसकी एंट्री से प्रीमियम स्कूटर बाजार में नए विकल्प जुड़ सकते हैं। ड्रैगस्टर 300 में 278 सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है। यह 23.8 हार्सपावर की ताकत और 26 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। इसे शहरी आवागमन के लिए एक शक्तिशाली विकल्प के रूप में पेश किया जा सकता है। इसके बाद ड्रैगस्टर 459 का स्थान है, जिसमें 449 सीसी का पैरेलल-ट्विन इंजन मिलता है। यह इंजन 47.58 हार्सपावर और 41 न्यूटन मीटर का टार्क देता है। इस माडल की एक खासियत सेमी-आटोमैटिक छह-स्पीड गियरबाक्स है। श्रृंखला का सबसे शक्तिशाली माडल ड्रैगस्टर 700 है। इसमें 698 सीसी का ट्विन-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 68 हार्सपावर की ताकत और 70 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। तीनों माडलों में इंजन क्षमता और प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग विकल्प मिलेंगे।

# बल्क ड्रग उत्पादन को मिलेगा 7000 करोड़ का नया बूस्टर डोज

**योजना में आरएंडडी, मौजूदा संयंत्रों को प्रोत्साहन और लचीली प्रोत्साहन दरें शामिल**



नई दिल्ली

देश में दवाओं के मुख्य रासायनिक घटकों (बल्क-ड्रग) के उत्पादन को अभूतपूर्व बढ़ावा देने के लिए सरकार 7,000 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार कर रही है। इसका लक्ष्य भारत को इन महत्वपूर्ण घटकों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना और आयात पर निर्भरता को कम करना है, विशेषकर ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं संवेदनशील बनी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, इस प्रस्तावित योजना में से 5,000 करोड़ रुपये उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) के लिए आवंटित किए जाएंगे, जबकि शेष 2,000 करोड़ रुपये अनुसंधान एवं विकास (आरऐंडडी), साझा बुनियादी ढांचे और पूंजीगत सब्सिडी पर खर्च होंगे। यह योजना 52 अणु समूहों या मालिक्यूल सेट पर केंद्रित होगी, जिसमें 300 से अधिक मध्यवर्ती और अनुगामी सक्रिय दवा तत्त्व (एपीआई) की मूल्य श्रृंखला शामिल होगी। एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, यह नए निवेश के साथ-साथ मौजूदा विनिर्माण इकाइयों को भी अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देगी, और सभी छह प्रोत्साहन वर्षों के लिए एक समान उत्पादन प्रोत्साहन दर लागू होगी। प्रस्तावित योजना में आठ वर्ष की खर्च समय-सीमा की परिकल्पना की गई है, जो मौजूदा योजना के छह वर्षों से अधिक है। यह लंबी अवधि निर्माताओं को उत्पादन में होने वाले उतार-चढ़ाव को संभालने और अधिक लचीलापन प्रदान करेगी।

अधिकारियों ने बताया कि यह व्यापक योजना दीर्घकालिक क्षमता निर्माण, आरऐंडडी और शिक्षा जगत तथा उद्योग के बीच साझेदारी पर अधिक जोर देगी, जैसा कि केंद्रीय दवा सचिव ने पहले भी संकेत दिया था। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब मौजूदा बल्क-ड्रग पीएलआई योजना ने निवेश तो आकर्षित किया है, लेकिन उत्पादन में बदलने और प्रोत्साहन राशि बांटने में चुनौतियों का सामना कर रही है। इन चुनौतियों में चीन से कड़ा प्रतिस्पर्धी दबाव, बुनियादी सुविधाओं और कच्चे माल की ऊंची लागत, तथा पूरी मूल्य श्रृंखला का ठीक से न जुड़ा होना शामिल है। प्रस्तावित एकीकृत ढांचा इन कमियों को दूर करने का प्रयास करेगा, जिसमें विनिर्माण प्रोत्साहन के साथ-साथ तकनीक के विकास और बुनियादी ढांचे का सहयोग भी शामिल किया जाएगा। विशेष रूप से, किण्वन जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये का एक विशेष आरएंडडी कोष भी बनाया गया है, जिससे घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्द्धी क्षमता मजबूत होगी।

# ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान महंगाई के ऊंचे आंकड़ों के कारण गिरावट के साथ बंद हुए थे। हालांकि, डाउ जोन्स फ्यूचर्स सुबह मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ दिखाई दिया। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है, जिसमें ज्यादातर प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी भी सुबह अच्छी बढ़त दिखा रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान वाल स्ट्रीट पर बिकवाली का दबाव रहा। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े उम्मीद से ज्यादा रहे। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा अगले महीने ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने और सख्त रुख अपनाने की चिंता बढ़ गई। इस दबाव के कारण डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 157.86 अंक यानी 0.30 प्रतिशत गिर कर 52,231.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स भी 29.01 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,520.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 187.26 अंक यानी 0.74 प्रतिशत टूट कर 25,065.87 अंक के स्तर पर आ गया। हालांकि, डाउ जोन्स फ्यूचर्स सुबह फिलहाल 103.09 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,334.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला रुख बना रहा। फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 77.20 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की शानदार बढ़त दर्ज करते हुए 8,310.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स भी 80.26 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ




26,347.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत, ब्रिटेन के एफटीएसई इंडेक्स में बिकवाली का दबाव रहा, जिसके चलते यह सूचकांक 31.28 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,751.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ग्लोबल मार्केट के इन मिले-जुले संकेतों के बीच एशियाई बाजार में भी मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से छह के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। वहीं, तीन सूचकांक दबाव के कारण लाल निशान में बने हुए हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी सुबह 106.50 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,435 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ताइवान स्टाक एक्सचेंज पर जबरदस्त तेजी देखी जा रही है, जहां ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,130.10 अंक यानी 2.65 प्रतिशत उछल कर 43,842.02 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भी जोरदार मजबूती का माहौल है। यह सूचकांक फिलहाल 109.43 अंक यानी 2.09 प्रतिशत की छलांग लगा कर 5,348.56 अंक के स्तर पर आ गया है। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स भी 667.42 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 61,127 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।